



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 14 सितम्बर, 2001/23 भाद्रपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग
(सचिवालय प्रशासन सेवायें-1)

अधिसूचना

शिमला-2, 14 अगस्त, 2001

सं 0 पर (स 0 प्र 0-1) ए-ए (3)-3/95. --हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 25-7-1996 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएं) में रेस्टोरर (वर्ग-III अराजपदित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.--(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, (सचिवालय प्रशासन सेवायें) रेस्टोरर (वर्ग-III, अराजपदित) भर्ती एवं प्रोन्नति (द्वितीय संशोधन) नियम, 2001 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जान की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" में संशोधन.—हिमाचल प्रदेश कर्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवायें) रेस्टोरर वर्ग-III, (अ राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपाबन्ध 'अ' में:—

(क) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:—

प्रतिलिपी यन्त्र चालकों एवं दफ्तरियों में से, जिनका अपने-अपने ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को शामिल करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा। ऐसा न होने पर प्रतिलिपी यन्त्र चालकों एवं दफ्तरियों में से जिनका प्रतिलिपी यन्त्र चालक/दफ्तरी तथा जमादार, रिकार्ड लिफ्टर, पुस्तकालय परिचारक के पद पर संयुक्त रूप से कम से कम 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को शामिल करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो जिसमें प्रतिलिपी यन्त्र चालक/दफ्तरी के रूप में 2 वर्ष का अनिवार्य सेवाकाल भी सम्मिलित होगा।

परन्तु प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए जिसमें प्रतिलिपी यन्त्र चालक/दफ्तरी का पद धारण करने वाले सभी पात्र कर्मचारियों की क्रमशः उनकी पारस्परिक वरिष्ठता में विघ्न डाले बिना एक संयुक्त वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी।

परन्तु यह भी कि स्वेच्छा पर प्रोन्नत व्यक्ति को अन्य समतुल्य संवर्ग में प्रत्यावर्तन नियुक्ति या स्थानान्तरण का अधिकार नहीं होगा।

परन्तु यह और भी कि जो व्यक्ति अपनी बारी पर पद के लिए एक बार अनिच्छा व्यक्त करता है, वह भविष्य में नियुक्तियों इत्यादि के लिए अपात्र हो जाएगा।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी, परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उसमें कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड ग्रामंड फोसिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैक्नीकल सर्विस) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों या जिसे ऐक्स सर्विसमें

(रिजर्वेशन आफ वेकन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा का गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. Per (SAS-I)A-A(3)-3/95 dated 14-8-2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PERSONNEL DEPARTMENT (Secretariat Administration Services-I)

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 14th August, 2001

No. Per (SAS-I)A-A(3)-3/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Restorer (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996 notified by this department *vide* Notification of even number dated 25-7-1996, namely:—

1. *Short title and Commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Restorer (Class-III Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (Second Amendment) Rules, 2001.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpata, Himachal Pradesh.

2. *Amendment in Annexure A.*—In Annexure “A” to the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Restorer, (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996:

(a) For the existing provisions against the Column No. II, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Gestetnor Operators and Daftries who possess at least three years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1993) service, if any, in the respective grade, failing which by promotion from amongst the Gestetnor Operators and Daftries who possess at least five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, if any, combined as Gestetnor Operator/Dafttry and Jamadar, Record Lifter and Library Attendant which shall also include essential service of two years as Gestetnor Operator/Dafttry :—

Provided that for the purpose of promotion, a combined seniority list of all the eligible officials holding the posts of Gestetnor Operator/Dafttry, respectively

without disturbing their *inter-se*-seniority shall be prepared :—

Provided also that the person promoted on his volition, will have no right of reversion, appointment or transfer to any other equivalent cadre :—

Provided further that the person once shows indisposition for the post, on his turn, he will become ineligible for consideration for future appointments etc.

(i) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that :—

(ii) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation. — The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment/promotion had shall be taken into account towards the length of service, of the *ad hoc* appointment/promotion against such post had been made after proper selection and in accordance with provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter-se*-seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.